

Chapter: 1 to 11

विभाग १ - गद्य

प्र. १ परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए - (गद्य)

(8)

प्र. १ अगर थानेदार और पुलिस का सिपाही वहाँ न होते तो अबतक अमरू पर भी टूट पड़ी होती। थानेदार ने आते ही अमरू की कलाई पकड़ ली और पूछा, "बोल, यह बच्चा तूने कहाँ से उठाया है और इसे तू कहाँ ले जा रहा है ? बता कहाँ है तेरे साथी ? आज सबका सुराग लगाकर ही हटूँगा।" अमरू अब तक तो दिल में हँस रहा था मगर थानेदार की धमकियों से कुछ घबरा गया। दबी आवाज में वह थानेदार से बोला- "सरकार, मैंने किसी का बच्चा नहीं उठाया। न मैं बदमाश हूँ। मैं तो एक भले घर का नौकर हूँ। रोटी-चौका करता हूँ और अपना पेट पालता हूँ।"

(8)

जो आदमी थानेदार को बुलाकर लाया था, क्रोध में आकर बोला, "क्यों बकता है, बे ! दरोगा जी, ऐसे नहीं यह मानेगा। दो-चार बेंत रसीद कीजिए।" दरोगा ने बगल से निकाल कर बेंत अपने हाथ में ली ही थी कि अमरू नम्रतापूर्वक झुका और बोला, "सरकार, आप जितना चाहें मुझे पीट लें, पहले यह तो देख लें कि इस बोरी में है क्या ? हुक्म हो तो चलिए थाने चलें।" यद्यपि थानेदार इस बात पर राजी हो गए थे पर भीड़ कब मानने वाली थी। लोग चिल्ला उठे, "हरगिज नहीं, ऐसा कभी नहीं होगा। हम सब इस आदमी की बदमाशी के गवाह हैं। मामला कभी दबने नहीं देंगे।" थानेदार दूर गए कि उनकी नीयत पर लोगों को शक हो रहा है। उन्होंने अमरू से कहा, "अच्छा, बोरी को नीचे रखो। इसका मुँह खोलो।"

अमरू शांतिपूर्वक नीचे बैठ गया और धीरे धीरे से उसने बोरी का मुँह खोल दिया। जैसे ही बोरी का मुँह खुला बिल्ली का बिलंगुड़ा छलाँगों मारता हुआ एक तरफ भाग गया और लोग देखते ही रह गए। थानेदार की भी समझ में न आया कि अब क्या करें ? वह थाने की तरफ मुड़ा और एक ताँगेवाले की पीठ पर बेंत मारते रास्ते में ताँगा खड़ा नहीं करना चाहिए। इस प्रकार अपनी झेंप मिटाने का यत्न करते हुए दरोगा जी चले गए और अमरू हँसता हुआ घर वापस आ गया।

1 A1) ..

2

कारण लिखिए।

i. अमरू पर भीड़ अबतक नहीं टूट पड़ी थी -

ii. थानेदार का बगल से वेद निकालने का कारण -

A

2

2) ..

एक वाक्य में उत्तर लिखिए।

i. थानेदार ने आते क्या किया ?

ii. थानेदार अमरू को कहाँ ले जाने के लिए राजी हो गया ?

A

2

3) ..

१. योजक शब्द ढूँढ़कर लिखिए।

(i)

(ii)

२. जातिवाचक संज्ञा शब्द ढूँढ़कर लिखिए।

(i)

(ii)

A

2

4) ..

स्वमत.

प्राणी हमसे कहते हैं, जियो और जीने दो' इस वाक्य पर अपने विचार 25 से 30 शब्दों में स्पष्ट कीजिए।

विभाग २ - पद्य

प्र. २ परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए - (पद्य)

(6)

प्र. २

(6)

चारु चन्द्र की चंचल किरणों
खेल रही है जल – थल में।
स्वच्छ चाँदनी बिछी हुई है
अवनि और अंबर तल में।।

पुलक प्रगत करती है धरती
हरित तृणों की नोकों से।
मानो झूमझूम रहे हैं तरु भी
मंद पवन के झोंकों झोंकों से।।

क्या ही स्वच्छ चाँदनी है यह
है क्या ही निस्त्वध निशा।
है स्वच्छंद – सुमंद गंध वह
निरानंद है कौन दिशा?

बंद नहीं, हीं अब भी चलते हैं
नियति नटी के कार्य-कलाप।
पर कितने एकांत भाव से
कितने शांत और चुपचाप।।


Colours of your Dreams

1 A1) ..

2

i. एक-एक शब्द में उत्तर लिखिए।

१. यह हरित तृणों के नोकों से प्रसन्नता प्रकट करती है -

२. यह अवनि और अंबर में बिछी है -

ii. समझकर लिखिए।

१. चांदनी फैली हुई है -

२. प्रसन्ना दिखाई दे रही है -

A2) ..

2

निम्नलिखित शब्दों के समानार्थी शब्द लिखिए।

१. धरती -

२. घास -

३. चंद्र -

४. पवन -

A3) ..

2

भावार्थ लिखिए।

उपरोक्त पद्यांश में से अंतिम की आठ पंक्तियों का भावार्थ स्पष्ट कीजिए।

(क्या ही स्वच्छ और चुपचाप।।)

विभाग ३ - भाषा अध्यन (व्याकरण)

प्र. (१) अधोरेखांकित शब्द का भेद लिखिए

(1)

३

यह कौन धूर्नुर्धर जाग रहा है।

(२) निम्नलिखित वाक्य में प्रयुक्त अव्यय ढूँढ़कर उसका भेद लिखिए

(1)

मैं अपना आचरण रखता हूँ यानी मैं आश्रम का ही हूँ।

(३) सूचना के अनुसार काल परिवर्तन करके वाक्य फिर से लिखिए

(1)

पिताजी रसोई में बैठकर भोजन करते थे। (अपूर्ण वर्तमान)

(४) मुहावरे का अर्थ लिखकर अपने वाक्य में प्रयोग कीजिए

(1)

स्थगित कर देना -

(5) निम्न वाक्यों में संज्ञा, सर्वनाम और विशेषण शब्द चुनकर लिखिए :

(2)

1) इस फ्रिज में अब जगह नहीं है।

2) चमनलाल लखनऊ गए थे।

विभाग ४ - उपयोजित लेखन

प्र. वृत्तांत लेखन कीजिए

(5)

४

निम्नलिखित मुद्दों के आधार पर वैश्विक महिला दिवस समारोह पर वृत्तांत लिखिए

i. स्थान ii. तिथि समय iii. प्रमुख अतिथि iv. समारोह v. अतिथि संदेश vi. समापन